अध्याय-2: लेखापरीक्षा अभिगम

अपतट छिछला पानी रिगों के निष्पादन की 2007 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट 9 (अध्याय VII) में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएण्डएजी) द्वारा समीक्षा की गई थी। वर्तमान लेखापरीक्षा में 2010-14 की अवधि पर कम्पनी द्वारा ऑनलेंड और अपतट (छिछला एवं गहरा पानी) दोनों पर किए गए ड्रिलिंग कार्यकलापों को कवर किया गया है।

2.1 लेखापरीक्षा उद्देश्य

निष्पादन लेखापरीक्षा का उद्देश्य यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना था कि कम्पनी ने कुशल एवं प्रभावी तरीके से रिगों के भाड़े पर लेने, परिनियोजन करने और उपयोग करने की योजना बनाई थी। लेखापरीक्षा ने इस संदर्भ में निम्नलिखित मामलों की जांच की:

- क्या ड्रिलिंग रिगों को परिसम्पतियों और बेसिनों की आवश्यकता के साथ उचितरूप से नियोजित और मैच किया गया था।
- क्या रिगों की अपेक्षित संख्या को योजना के कार्यान्वयन हेतु प्रभावी एवं कुशल तरीके से भाड़े पर या अधिग्रहण के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था।
- क्या रिगों की परिनियोजन (ड्रिलिंग के साथ साथ वर्क ओवर रिग) योजना के अनुसार थी और उनका उपयोग प्रभावी था।
- क्या ड्रिलिंग और वर्क ऑवर रिगों का रख-रखाव/मरम्मत/ उन्नयन रख-रखाव योजना और सांविधिक या अन्य आवश्यकताओं के अनुसार था।

2.2 लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र

लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र 2010-11 से 2013-14 के दौरान कंपनी द्वारा रिगों के प्रबंधन के समग्र निष्पादन की समीक्षा करना था। इसमे ड्रिलिंग सेवाओं और कुआं सेवाओं के विभिन्न खंडों जैसाकि योजना, खरीद एवं भाड़े पर लेना, प्रचालन एवं रिगों के रख-रखाव, को कवर किया गया था। कार्पोरेट लेवल पर ड्रिलिंग निष्पादन की मॉनीटरिंग को भी लेखापरीक्षा के दौरान कवर किया गया था।

2.3 लेखापरीक्षा मानदंड

लेखापरीक्षा मानदंड के स्रोत निम्नलिखित थे:

- 11वीं और 12वीं पंचवर्षीय योजना दस्तावेज सहित 2010-14 के लिए वार्षिक योजना दस्तावेज, बजट अनुमान और रिग परिनियोजन योजनाएं
- कंपनी की निति, नियमावली एवं विनियमावली जिनमे सामग्री प्रबंधन नियमावली पुस्तक, ड्रिलिंग कार्यकलापों के लिए कंपनी द्वारा निर्धारित प्रतिमान, ड्राय डॉक नीति, ड्रिलिंग नियम पुस्तक, निजी के रिगों का रख-रखाव कार्यक्रम, स्थानों के भू तकनीकी आदेश आदि शामिल है।
- बोर्ड बैठक के कार्यवृत, स्पड बैठक कार्यवृत, बहु-अनुशासनात्मक दल (एमडीटी) की बैठकें, कंपनी के आंतरिक दस्तावेजों में निर्धारित प्रतिमान/मानक, कंपनी के अन्य सेवा समूहों के साथ परिसम्पत्ति/बेसिन द्वारा किए गए करार, कंपनी के सेवा समूहों के बीच/मध्य हस्ताक्षर किया गया निष्पादन ठेका।
- सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के साथ-साथ सांविधिक निकायों द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य एवं सुरक्षा दिशानिर्देश।

2.4 लेखापरीक्षा कार्यप्रणाली

लेखापरीक्षा के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली निम्नानुसार है:

- जुलाई 2014 में लेखापरीक्षा उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र और कार्यप्रणाली पर चर्चा करने के लिए कंपनी के साथ एक एन्ट्री कान्फ्रैस आयोजित की गई थी।
- लेखापरीक्षा मांग पत्रों एवं प्रश्नावलियों के माध्यम से सूचना के एकत्रण द्वारा इसका अनुपालन किया गया था। अभिलेखों की संवीक्षा, कंपनी अधिकारियों के साथ चर्चा और संव्यवहारों की नमूना जांच के पश्चात प्रारंभिक लेखापरीक्षा अभ्युक्तियां जारी की गई थी। इनकी कंपनी की प्रतिक्रियाओं के आधार पर अगली समीक्षा की गई थी और ड्राफ्ट लेखापरीक्षा रिपोर्ट तैयार करने के लिए समेकन किया गया था।
- ड्राफ्ट लेखापरीक्षा रिपोर्ट कंपनी को जारी कर दी गई थी (नवंबर 2014) और अप्रैल 2015 मे कंपनी का उत्तर प्राप्त हुआ था। कंपनी के उत्तर को इस प्रतिवेदन में उचित रूप से समाविष्ट किया गया है।
- लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर प्रबंधन की प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए एक्जिट कॉन्फ्रैस 2 मई 2015 को आयोजित की गई थी। इस बैठक के दौरान कंपनी द्वारा व्यक्त किए

गए विचारों एवं बैठक के दौरान उपलब्ध कराई गई अनुपूरक जानकारी को भी इस प्रतिवेदन में उचित रूप से समाविष्ट किया गया है।

- ड्राफ्ट रिपोर्ट मंत्रालय को जारी कर दी गई थी (जून 2015) और मंत्रालय का उत्तर अगस्त 2015 में प्राप्त हुआ था। मंत्रालय के उत्तर को इस रिपोर्ट में उचित रूप से समाविष्ट किया गया है।

- लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर मंत्रालय की प्रतिक्रिया की चर्चा करने के लिए प्रबंधन सहित मंत्रालय के साथ एक्जिट कॉन्फ्रैस 10 अगस्त, 2015 को आयोजित की गई थी। इस बैठक के दौरान मंत्रालय और कंपनी द्वारा व्यक्त किए गए विचारों और मंत्रालय द्वारा भेजे गए कंपनी के पश्च एक्जिट कॉन्फ्रैस अनुपूरक उत्तर (अगस्त 2015) को भी इस प्रतिवेदन में उचित रूप से समाविष्ट किया गया है।

2.5 नमूना चयन

निष्पादन लेखापरीक्षा के लिए निम्नलिखित नमूना की संवीक्षा की गई थी:

तालिका 2.1: नमूना चयन कार्यप्रणाली

क्र.सं.	मद/कार्यकलाप	संख्या	नमूना आकार	चयनित संख्या
1	रिगों को भाड़े पर लेने के लिए निविदाएं	32	100 %	32
	अपतट रिगों का निष्पादन			
2	निजी रिग	9	100%	9
3	भाड़े पर लिए गए रिग-गहरा पानी	6	100%	6
4	भाड़े पर लिए गए रिग-छिछला पानी	31	20%	7
5	भाड़े पर लिए गए वर्क-ओवर रिग	3	20%	1
	ऑनलैड रिगों का निष्पादन			
6	निजी रिग	68	20%	14
7	भाड़े पर लिए गए रिग	16-20	20%	4
8	भाड़े पर लिए गए वर्क-ओवर रिग	19	20%	4
9	निजी वर्क-ओवर रिग	53	20%	11

चयनित नमूना जोखिम आधारित था।

- रिगों को भाड़े पर लेने के लिए सभी निविदाओं का चयन ड्रिलिंग प्रचालनों के लिए रिगों के उच्च अहमियत और महत्व के मद्देनजर किया गया था।

- रिगों के निष्पादन की समीक्षा करते सभी निजी अपतट रिगों का चयन किया गया था क्योंकि उनका निष्पादन खराब था जिसमे उच्च अनुत्पादकता समय शामिल है और लेखापरीक्षा की अवधि के दौरान उनकी मरम्मत और रख रखाव पर पर्याप्त व्यय किया गया था।

- सभी गहरा पानी रिगों के निष्पादन की उनकी उच्च लागतों और एनईएलपी ब्लॉकों के अन्वेषण और विकास लक्ष्यों पर उनके प्रभाव के मद्देनजर संवीक्षा की गई थी।

- चार्टर भाड़े पर लिए गए अपतट रिग आनलेंड रिगों और वर्क ओवर रिगों के लिए 20 *प्रतिशत* नमूनों का चयन किया गया था। चयन रिगों की अहमियत (उच्चतर प्रचालन दिन दर) और जोखिम (न्यूनतर चक्र गति और वाणिज्यिक गति और उच्चतर अनुत्पादक समय) के आधार पर किया गया था।

2.6 आभार

लेखापरीक्षा इस निष्पादन प्रतिवेदन के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) तथा ओएनजीसी प्रबंधन द्वारा दिए गए सहयोग और सहायता हेतू आभार व्यक्त करती है।